महत्वपूर्ण एवं खास

मोवा ओवरब्रिज के पास ट्रेन की चपेट में आया युवक, मौके पर मौत

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी के पंडरी क्षेत्र के मोवा में एक बड़ा हादसा हो गया। यहां ओवरब्रिज के नीचे एक युवक ट्रेन से टकरा गया जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। कुछ साल पहले ही इस ब्रिज के नीचे से गाडिय़ों के जाने के लिए एक अंडर ब्रिज का निर्माण भी किया गया है। रेलवे क्रॉसिंग होने की वजह से यहां अक्सर जाम की स्थिति रहती ही थी और ट्रेनों की आवाजाही की वजह से फाटक बंद कर दिया जाता था जिसकी वजह से लोग उस फाटक के नीचे से उसे क्रॉस करते थे जिसकी वजह से आए दिन हादसे की स्थिति बनी रहती थी। लेकिन ओवर ब्रिज के निर्माण के बाद से हादसे होना बंद हो गए थे। आपको बता दें लम्बे समय बाद ऐसी घटना फिर हुई है जिसके बाद यहां ट्रेन की वजह से किसी व्यक्ति की मौत हुई है।

नक्सलीयो ने मचाया उत्पाद, 5 वाहनों की।किया आग के हवाले

राजनांदगांव (आरएनएस)। छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर गढ़चिरौली में नक्सलियों ने एक बार फिर भारी उत्पात मचाया है। यहां नक्सलियों ने सडक़ निर्माण में लगे 5 वाहनों को फूंक दिया। अचानक पहुंचे नक्सलियों ने पहले मजदूरों को बंधक बनाया और सडक़ निर्माण न करने की धमकी देते हुए 2 जेसीबी, ट्रक, ट्रैक्टर समेत पांच वाहनों में आग लगा दी। घटना के बाद सुरक्षाबलों की टीम नक्सलियों की सर्चिंग अभियान में जुट गई है।

केन्द्रीय पूल में अब तक 42.45 लाख मीट्रिक टन चावल जमा

रायपुर (आरएनएस)। राज्य में कस्टम मिलिंग के लिए अब तक 97.89 लाख मीट्रिक टन धान का उठाव हो चुका है। राज्य सरकार द्वारा केन्द्रीय पूल में चावल जमा कराने के मामले में भी तेजी से काम किया जा रहा है। अब तक केन्द्रीय पूल में 42.45 लाख मीट्रिक टन चावल जमा कराया जा चुका है, जिसमें भारतीय खाद्य निगम में 22.51 लाख मीट्रिक टन और नागरिक आपूर्ति निगम में 19.93 लाख मीट्रिक टन चावल शामिल है। खाद्य सचिव टोपेश्वर वर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर इस वर्ष धान खरीदी के साथ ही उठाव एवं कस्टम मिलिंग का काम तेजी के साथ शुरू कर दिया गया था। राज्य में अब तक डीओ और टीओ के माध्यम से 97.89 लाख मीट्रिक टन धान का रिकार्ड उठाव हो चुका है। वर्मा ने बताया कि 75 लाख 09 हजार मीट्रिक टन धान का डीओ जारी कर दिया गया है। उपार्जन केन्द्रों से मिलर्स द्वारा 74 लाख 98 हजार मीट्रिक धान का उठाव कर लिया गया है। इसी प्रकार 22 लाख 90 हजार मीट्रिक टन धान के परिवहन के लिए टी.ओ. जारी किया गया है, जिसके विरूद्ध समितियों से 22 लाख 90 हजार मीट्रिक टन धान का उठाव हो चुका है। इस साल केन्द्रीय पूल में 61.65 लाख मीट्रिक टन अरवा चावल जमा कराया जाना है।

रायपुर की बेटी वाची पारीक चुनी गई मिस टीन यूनिवर्स रनर-अप 2021

0 दुबई में आयोजित हुई थी प्रतियोगिता, 23 देश के प्रतिभागियों ने लिया था हिस्सा

रायपुर (आरएनएस)। रायपुर की बेटी वाची पारीक मिस टीन यूनिवर्स सेकंड रनरअप 2021 में पोडियम पहुंचने वाली पहली एशियाई युवती है जो दुबई में आयोजित प्रतियोगिता में 23 प्रतिभागियों ने चयनित हुई हैं। उक्त जानकारी प्रेसक्लब रायपुर में आयोजित पत्रकारवार्ता में स्वयं वाची एवं उनकी माता रेणु पारिक ने संयुक्त रूप से दी। पत्रकारवार्ता में वाची ने बताया कि 13 वर्ष की उम्र से ही उनकी उक्त क्षेत्र में रूचि थी केवल 19 वर्ष की आयु में दुबई में आयोजित प्रतियोगिता में सेकंड रनरअप बनना उनके लिए गर्व की बात है। वाची ने बताया कि वे स्कूलों में पढऩे वाली छात्राओं के बीच पहुंचकर गुड टच और बैड टच के बारे में अवरनेस कार्यक्रम में हिस्सेदार रही हैं। हालांकि उन्हें किसी फिल्म का आफर नहीं मिला है। वे वल्र्ड यूनिवर्स बनने की दिशा में प्रयासरत हैं। वर्तमान समय में वे इंदिरा कालेज ऑफ एंड साइंस पुणे में बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में स्नातक की पढ़ाई कर रही हैं। मिस टीन यूनिवर्स प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए उन्हें उनके माता से भरपुर सहयोग मिला।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 21 को करेंगे राजीव गांधी किसान न्याय योजना की पहली किश्त का भुगतान

- **किसानों के खाते में 1700 करोड़ रूपए की राशि का करेंगे अंतरण**
- **जिला स्तर पर आयोजित राशि अंतरण कार्यक्रम को मुख्यमंत्री वर्चुअल माध्यम से करेंगे सम्बोधित**

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर 21 मई को राजीव गांधी किसान न्याय योजना के अंतर्गत प्रदेश के किसानों को खरीफ विपणन वर्ष 2021-22 के लिए प्रथम किश्त की राशि का भुगतान करेंगे। इस अवसर पर सभी जिलों में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और सभी जिला मुख्यालय मुख्यमंत्री बघेल द्वारा राशि अंतरण के कार्यक्रम से वर्चुअल माध्यम से जुड़े रहेंगे। मुख्यमंत्री बघेल जिला स्तरीय कार्यक्रम को वर्चुअल माध्यम से सम्बोधित करने के बाद किसानों के खाते में प्रथम किश्त की राशि के रूप में 1700 करोड़ रूपए का अंतरण करेंगे। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जिला स्तर पर आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रम के संबंध में सभी कलेक्टरों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

कलेक्टरों से कहा गया है कि राशि अंतरण के लिए जिला स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में कृषकों एवं

अतिथियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाये। कार्यक्रम के लिए गरिमा-अनुकूल स्थल चयन कर सभी आवश्यक तैयारियां और व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। कलेक्टरों को निर्देश दिए गए हैं कि सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा मुख्य अतिथियों की जारी सूची अनुसार मुख्य अतिथियों एवं विधायकगणों तथा जनप्रतिनिधियों को सम्मानपूर्वक इस कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया जाए। साथ ही योजना के हितग्राहियों को कार्यक्रम स्थल पर समय पर एवं सुगमता से लाने की उचित व्यवस्था तथा कार्यक्रम स्थल पर वर्चुअल प्रसारण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री बघेल के वर्चुअल उद्बोधन से हितग्राहियों को सीधे जोडऩे की व्यवस्था की जाए। कलेक्टरों से यह भी कहा गया है कि गर्मी के मौसम को देखते हुए कार्यक्रम स्थल पर गर्मी के बचाव के पर्याप्त उपायों के साथ पीने के पानी का उचित प्रबंध भी सुनिश्चित किया जाए।

गौरतलब है कि बीते दो वर्षों में राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत किसानों के बैंक खाते में 12 हजार 209 करोड़ रूपए का भुगतान किया जा चुका है। इस योजना के अंतर्गत खरीफ की सभी प्रमुख फसलों एवं उद्यानिकी फसलों को शामिल किया गया है तथा इन फसलों के उत्पादक कृषकों को प्रति वर्ष 9 हजार रूपए प्रति एकड़ इनपुट सब्सिडी राशि दी जा रही है। कोदो, कुटकी, रागी उत्पादक कृषकों को भी इसका लाभ दिया जा रहा है। वर्ष 2020-21 में जिस रकबे से किसान द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान विक्रय किया गया था, यदि किसान वहां धान के बदले कोदो, कुटकी, गन्ना, अरहर, मक्का, सोयाबीन, दलहन, तिलहन, सुगंधित धान, अन्य फोर्टिफाइड धान, केला, पपीता लगाता है अथवा वृक्षारोपण करता है, तो उसे प्रति एकड़ 10 हजार रूपए इनपुट सब्सिडी दी जाएगी। वृक्षारोपण करने वाले कृषकों को तीन वर्षों तक इनपुट सब्सिडी दी जाएगी।

कुदमुरा परिक्षेत्र पहुंचा 9 हाथियों का दल : उत्पात मचाते बनिया में तोड़े मकान

कोरबा। कटघोरा के ऐतमा नगर के रास्ते बालको रेंज में प्रवेश करने के बाद कुदमुरा परिक्षेत्र पहुंचे 9 हाथियों का दल बीती रात आगे बढ़क़र धरमजयगढ़ की सीमा में चला गया है। हाथियों के धरमजयगढ़ जाने से वन विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों ने राहत की सांस ली है। इससे पहले क्षेत्र में हाथियों के दल के दस्तक देते ही हडक़ंप मच गया था। हाथियों का दल रूमगढ़ा-रूकबहरी के बाद गोड़मा, केरवा, कोरकोमा में उत्पात मचाने के बाद पसरखेत के रास्ते सोमवार को सुबह कुदमुरा रेंज के ग्राम जिल्गा पहुंच गया था। हाथियों ने यहां दिन भर विश्राम करने के बाद शाम होते ही आगे का रूख किया और जंगल ही जंगल विचरण करते हुए मांड नदी को पार करने के बाद धरमजयगढ़ की सीमा में प्रवेश कर गए। हाथियों के धरमजयगढ़ जाने से वन अमले ने राहत की सांस ली है। इससे पहले विभाग के अधिकारी व कर्मचारी लगातार हाथियों की निगरानी व ट्रेसिंग में लगे रहे।

उधर कटघोरा वनमंडल में 43 हाथी अभी भी मौजूद है। इनमें से 17 हाथी पसान व 26 केंदई रेंज में सक्रिय है। पसान रेंज में सक्रिय 17 हाथियों के दल में से 5 हाथी अलग होकर सोमवार की रात बनिया गांव पहुंचे और यहां उत्पात मचाते हुए गांव के बाहरी हिस्से में स्थित एक ग्रामीण के मकान को ढहा दिया। जिस समय हाथियों ने मकान पर हमला किया, मकान मालिक अपने परिवार के साथ सो रहा था। हाथियों के चिंघाड़ व पदचाप सुनकर वे जागे और घर के एक कोने में परिवार सहित छिपकर जान बचायी। बनिया गांव में हाथियों के पहुंचने व घर तोड़े जाने की सूचना पर वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचा और हाथियों को खदेडऩे के बाद नुकसानी का सर्वे किया। वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक हाथियों ने यहां ग्रामीण के घर को काफी नुकसान पहुंचाया है। जिससे उसे हजारों रूपए की आर्थिक क्षति झेलनी पड़ी है।

कटघोरा वनमंडल के ही केंदई रेंज में 26 हाथियों का दल विचरण कर रहा है। इस दल में शामिल हाथियों को आज सुबह फिर चोटिया कोलमाइंस के डंपिंग एरिया ने देखा गया। हाथियों ने पिछले तीन दिनों से यहां डेरा जमा रखा है। हालांकि हाथियों द्वारा अभी कोई नुकसान नहीं पहुंचाया गया है। लेकिन बड़ी संख्या में हाथियों के मौजूदगी से ग्रामीण भयभीत है। वनविभाग द्वारा लगातार क्षेत्र में मुनादी कराकर ग्रामीणों को सावधान किया जा

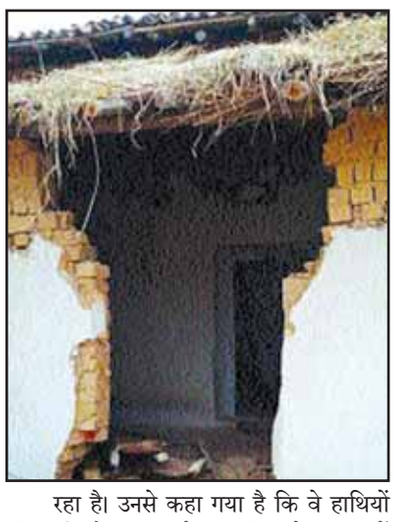

रहा है। उनसे कहा गया है कि वे हाथियों की मौजूदगी वाले डंप एरिया से हरहाल में दूरी बनाए रखे।

लापता व्यक्ति का जंगल में मिला कंकाल

कोरबा। जिले के श्याग पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत जंगल में एक 45 वर्षीय व्यक्ति का कंकाल मिला है। आगे की जांच पड़ताल में पुलिस ने पूरी जानकारी जुटा ली है। बताया गया कि पिछले दिनों संबंधित व्यक्ति केरवा जाने की बात कह कर अपने घर से निकला था और उसके बाद अपने घर नहीं लौटा।

श्यांग पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले एक जंगल में कुछ लोगों की नजर नर कंकाल पर पड़ी तो वे चौंक गए। मौके पर कंकाल के अलावा और कुछ नहीं मिला था इसलिए लोगों की समझ में कुछ नहीं आया। उन्होंने इस बारे में पुलिस थाना प्रभारी को मामले की जानकारी दी। मामले को संदिग्ध मानते हुए पुलिस ने मर्ग कायम किया और इसे जांच पड़ताल का हिस्सा बनाया। जांच पड़ताल की कड़ी में पुलिस ने आसपास के इलाकों तक खबर भिजवाई और लापता लोगों के बारे में जानकारी एकत्र की। कोरबा में मीडिया से चर्चा करते हुए नगर पुलिस अधीक्षक योगेश साहू ने बताया कि नर कंकाल की पहचान मिल सिंह के रूप में हुई है। उसके द्वारा अपने परिजनों को खेरवा गांव जाने आप की बात कही गई थी और उसके बाद यह मामला पहेली बन गया। नर कंकाल मिलने से संबंधित मामले में पुलिस ने संबंधित व्यक्ति की पहचान कर ली है। आगे की जांच फॉरेंसिक स्तर की है। इस आधार पर पता चल सकेगी मिल सिंह के साथ कबए क्या कुछ हुआ था।

पारधी में हाथी के हमले से मृत व्यक्ति के परिवार से मिलने पहुंची सिहावा विधायक

नगरी (आरएनएस)। सिहावा विधानसभा क्षेत्र के मगरलोड ब्लॉक के ग्राम पारधी पहुंचकर विधायक डॉ. लक्ष्मी ध्रुव हाथी के हमले से मृत महिला के परिवार जनों से मिली। विधायक ने शोकाकुल परिवार जनों को ढांढस बंधाया और उन्हें हर संभव शासन से मिलने वाले सहयोग राशि दिलाने आश्वासन दिए तथा विधायक द्वारा आर्थिक मदद के रूप में 5000 रू दिए।

ग्राम पारधी के हाथियों से प्रभावित 15 परिवार के लोगों से मुलाकात किए एवं हालचाल जाना। अभी उन सभी परिवारों को सामुदायिक भवन में ठहरने की व्यवस्था किया गया जिनके खाने पीने की पूरी व्यवस्था वन विभाग द्वारा किया जा रहा है।

विधायक डॉ. लक्ष्मी ध्रुव ने आदिम जाति कल्याण विभाग के सहायक आयुक्त से चर्चा कर वन विभाग के अधिकारियों से मिलकर योजना बनाकर शीघ्र मकान रहने के लिए व्यवस्था करने हेतु निर्देशित किया गया क्योंकि 15 परिवार के मकान को हाथी ने नष्ट कर दिए हैं।

ग्राम के सरपंच देवकी नेताम ने मृतक के पति लखमूराम कुमार को श्रद्धांजलि योजना के तहत 2000 रू की राशि प्रदान किया।

इस मौके पर लखनलाल ध्रुव सदस्य पीसीसी, डोमार ध्रुव, देवकी नेताम ,भगवान सिन्हा ,विमल नेताम ,इतवारीन बाई हेमुराम मंडावी ,तुलाराम ,मंगल राम ,शिवकुमार एवं वन परिक्षेत्र अधिकारी डीके बघेल उपस्थित थे।

राजस्व अभिलेखों में हेराफेरी का आरोपी पटवारी निलंबित

जगदलपुर (आरएनएस)। राजस्व अभिलेखों में हेराफेरी के कारण भानपुरी में पदस्थ पटवारी उपेंद्र बघेल को निलंबित कर दिया गया है। उपेंद्र बघेल के खिलाफ निलंबन की यह कार्रवाई बस्तर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) ओमप्रकाश वर्मा द्वारा की गई है। उपेन्द्र बघेल के खिलाफ यह कार्यवाही तोकापाल तहसील के विभिन्न पटवारी हल्कों में पदस्थापना के दौरान शासकीय और निजी भूमि में की गई हेराफेरी के कारण की गई है। निलंबन आदेश के अनुसार पटवारी उपेन्द्र बघेल द्वारा पटवारी हल्का नंबर 15 मावलीभाटा स्थित खसरा नंबर 154 रकबा 03.28 हेक्टेयर पहाड़ चट्टान मद की भूमि को आसमन पिता आयतु जाति माडिया के नाम पर दर्ज कर दिया गया है।

पटवारी हल्का नंबर 15 मावलीगुड़ा के ग्राम गुर्रम स्थित भूमि जिसका खसरा नंबर 223 224, 225, रकबा कमश: 0.42, 2.19, 0.99 हेक्टेयर की शासकीय भूमि छोटे झाड़ के जंगल मद में दर्ज भूमि को कमश: कमल नाग पिता मोती नाग जाति माहरा, रमेश पिता धनेश्वर, जाति ब्राम्हण एवं बली नागवंशी के नाम पर भूमि स्वामी हक में दर्ज कर शासकीय भूमि का हेरा-फेरी करते हुए भूईया में अंकित कर दिया गया है। इसके साथ ही न्यायालय तहसीलदार, तोकापाल में विचाराधीन राजस्व प्रकरण क्रमांक 2028150900016 / अ-6 / 2019-2020 में आवेदक सूर्यप्रताप सिंह विरूद्ध जोगा पिता देव निवासी ग्राम गुर्रम स्थित भूमि खसरा नंबर 222 / 1 को पटवारी उपेन्द्र बघेल द्वारा खसरा नंबर 222 / 1ख रकबा 2.00 हेक्टेयर भूमि में सूर्यप्रतापसिंह पिता भगवान दीन सिंह का नाम दर्ज कर दिया गया है। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) तोकापाल से प्राप्त लिखित प्रतिवेदन (नस्ती में) अनुशंसा अनुरूप, निजी खाते की भूमि (प्रकरण जो न्यायालय तहसीलदार, तोकापाल में विचाराधीन) एवं शासकीय मद की भूमि के अभिलेख में किसी अधिकारी के संज्ञान में लाये बिना, स्वेच्छा पूर्वक निजी स्वार्थ पूर्ति हेतु अभिलेख में हेरा-फेरी की पुष्टि होने के कारण उपेन्द्र बघेल को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है । निलंबन अवधि में उपेन्द्र बघेल को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता का भुगतान किया जाएगा तथा उनका मुख्यालय तहसील कार्यालय बस्तर निर्धारित किया गया है।

छत्तीसगढ़ कांट्रेक्टर एसोसिएशन की बैठक: ठेकेदारों के कई मुद्दों पर सहमति बनी पर नहीं हो सका निर्णय

कोरबा। प्रदेश भर के निर्माण विभागों में करोड़ों रुपये के टेंडर बहिष्कार के निर्णय से शासन प्रशासन में हडक़ंप मच गया है। मुख्यमंत्री के सचिव व पीडब्ल्यूडी के अभियंताओं ने एसोसियेशन के पदाधिकारियों के मध्य वार्ता हुई। कई मुद्दे पर सहमति बनी पर निर्णय नहीं हो सका। इधर कोरबा कांट्रेक्टर एसोसिएशन ने बैठक कर टेंडर बहिष्कार करने के निर्णय का समर्थन किया।

प्रदेश भर के ठेकेदारों ने सामानों के दाम बढऩे पर छत्तीसगढ़ कांट्रैक्टर एसोसिएशन के बैनर तले निविदा नहीं भरने का निर्णय लिया है। वही वर्तमान में चल रहे निर्माण कार्य भी बंद करने की घोषणा की है। इस पर सोमवार को मुख्यमंत्री के सचिव कोमल सिद्धार्थ परदेशी, छत्तीसगढ़ रोड कार्पोरेशन के एमडी हिमशिखर गुप्ता के साथ प्रमुख अभियंता वीके भतपहरी, एडीबी प्रोजेक्टर डायरेक्टर एसके कोरी, रायपुर परिक्षेत्र के मुख्य अभियंता ज्ञानेश्वर कश्यप, अधीक्षण अभियंता बीएस कुर्राम ने संयुक्त रूप से एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ वार्ता की। बैठक में एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष बीरेश शुक्ला समेत 10 पदाधिकारी शामिल हुए। इस दौरान कांट्रेक्टरों के मांग पत्र पर बिंदुवार चर्चा की गई। करीब दो घंटे तक चली बैठक में अधिकांश मांगो को जायज मानते हुए निराकरण की दिशा में सहमति जताई गई। इसके बाद एक सप्ताह के भीतर फिर बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया। एसोसियेशन के जिला सचिव असलम खान ने बताया कि रायपुर में हुई अधिकारियों के साथ हुई बैठक सकारात्मक रही। मुख्य रूप से निर्माण विभागों में अनुबंध के बाद बढ़े मटेरियल के दामों समेत, कई मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई, परंतु अभी कोई निर्णय नहीं हुआ है। बैठक में अफसरों ने एसओआर दर और बाजार मूल के अंतर की राशि का पैकेज दूसरे राज्यों में किस तरह तय की गई है। साथ ही गौण खनिज रायल्टी के कारण कांट्रेक्टर परेशान है, उस विषय पर भी दूसरे राज्यों की शर्तों की जानकारी मांगा है।

वेदांता स्किल स्कूल से वित्तीय वर्ष में छत्तीसगढ़ के 600 युवा हुए स्वावलंबी

कोरबा। भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड बालको अपने कौशल विकास केंद्र श्वेदांता स्किल स्कूल के माध्यम से स्थानीय युवाओं को सशक्त बनाकर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। वित्तीय वर्ष 2022 में कोरबा, कवर्धा और मैनपाट प्रशिक्षण केंद्रों की मदद से छत्तीसगढ़ के लगभग 600 युवाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है। ये प्रशिक्षत युवा देश के अग्रणी कंपनियों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। वेदांता स्किल स्कूल स्थानीय युवाओं को व्यावसायिक रूप से कुशल बनाने के साथ ही उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बना रहा है।

वेदांता स्किल स्कूल प्रशिक्षण केंद्र में आतिथ्य उद्योग, वेल्डिंग, सिलाई मशीन ऑपरेटर, सोलर पीवी टेक्निशियन, इलेक्ट्रीशियन और फिटर के छह ट्रेडों में मुफ्त आवासीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। 45 से 65 दिनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम को राष्ट्रीय कौशल विकास निगम एनएसडीसी के दिशानिर्देशों के अनुसार तैयार किया गया है और छत्तीसगढ़ के लगभग 10 हजार युवाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है। वेदांता स्किल स्कूल मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना एमएमकेवीवाई नाबार्ड, स्किल इंडिया इम्पैक्ट बॉन्ड एसआईआईबी और

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोलर एनर्जी एनआईएसई जैसी सरकारी योजनाओं के साथ मिलकर प्रशिक्षिण दे रहा है।

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक अभिजीत पति ने वेदांता स्किल स्कूल पर विचार साझा करते हुए कहा कि वेदांता समूह अपने तकनीकी एवं व्यावसायिक कौशल में सतत प्रगति के साथ ही सामुदायिक विकास कार्यक्रमों के माध्यम से अपने प्रचालन क्षेत्रों में ऐसी परियोजनाओं को प्रोत्साहित करने में विश्वास रखता है। देश के उत्तरोत्तर विकास में प्रशिक्षित युवाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण है। कौशल विकास केंद्र के जरिए युवाओं को विभिन्न कौशलों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, वहीं प्रोजेक्ट कनेक्ट के जरिए जरूरतमंद विद्यार्थियों को नि:शुल्क कोचिंग दी जा रही है। पति ने कहा कि युवाओं के प्रतिभा प्रोत्साहन के लिए बालको प्रतिबद्ध है।

होटल बेबीलोन इंटरनेशनल रायपुर के मानव संसाधन प्रबंधक संदीप कुमार राय ने बालको के कौशल विकास कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि हमारे संगठन में नियोजित उम्मीदवारों ने अनुकरणीय पेशेवर कौशल प्रदर्शित किया है। बालको की ओर से प्रारंभ यह केंद्र युवाओं को आत्मनिर्भर बनने का आत्मविश्वास और संबल देता है और उन्हें राष्ट्र निर्माण में योगदान करने में सक्षम बनाता है।

पूर्व छात्रा संतोषी धुर्वे ने आभार जताते हुए कहा कि स्किल स्कूल ने उनके जीवन को नई दिशा दी है। आर्थिक रूप से परिवारजनों की मदद कर उन्हें गौरव की अनुभूति होती है। संस्थान ने आत्मनिर्भरता होने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी साकुन्दे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियों की जावेगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU